

p>

Title: Regarding the Multi Commodity Exchange to prevent unscrupulous activities causing loss to economy.

**श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली):** मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के गठन का मुख्य उद्देश्य किसानों को हैंजिंग का एक साधन प्रदान करना एवं ऐसा मंत्र देना था, जहां कृषि उत्पादों का सही मूल्य आंका जा सके। लेकिन, व्यापारिक डेटा से यह रपट हो रहा है कि सिर्फ़ सर्वोच्च एनर्जी एवं धातु के वायदा व्यापार पर अपना विशेष ध्यान केंद्रित कर रहा है। जहां एक तरफ़ एमसीएक्स अपने मूल उद्देश्य से भटक रहा है, वहां दूसरी तरफ़ सोने के वायदा कॉन्ट्रैक्ट में जो सहेबाजी हो रही है, वह देश के खेलेंस ऑफ़ पेयमेंट की स्थिति को ठिन प्रति दिन खराब करती रहती जा रही है।

आज स्थिति यह है कि सोने का वायदा व्यापार साल दर साल बढ़कर हमारे व्यापारिक घाटे को बढ़ाने का एवं विदेशी मुद्रा रिजर्व को ज्ञाति पहुंचाने का कार्य कर रहा है। इस सहेबाजी में कौन तोग शामिल हैं और क्या यह कुछ तोनों तक ही सीमित होकर देश की आर्थिक स्थिति को जर्जर करने तुते हुए हैं, इसकी जांच करवाना अत्यंत आवश्यक है। देश की आर्थिक स्थिति से हुड़ा हुआ यह एक प्रमुख प्रकरण है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड में ऐसे निवेशकों के पेन नं. जिन्होंने 1 जनवरी, 2012 से 31 जनवरी, 2013 तक गैर कृषि संबंधित वस्तुओं एवं कृषि संबंधित वस्तुओं में 50 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक व्यापार किया है, की विस्तृत जांच करवाकर यह देखें की उक्त अवधि के दौरान निवेशकों ने पूर्ण टर्न ओवर का कितने-कितने प्रतिशत गैर कृषि संबंधित वस्तुओं में योगदान करने वाले पहले 10 एवं 25 व्यापारिक सदस्य कौन हैं, जो देश की व्यवस्था को कमज़ोर बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।